अभ्यास पत्रक

पाठ – मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

पुस्तकें केवल पठन की वस्तु नहीं होतीं, वे हमारे सोचने के ढंग को भी बदलती हैं। जब मैंने पहली बार 'गीता' का एक अंश पढ़ा, तो मेरी दृष्टि जीवन के प्रति और भी गंभीर हो गई। अपने निजी पुस्तकालय में बैठकर जब मैं इन पुस्तकों के पन्ने पलटता हूँ, तो ऐसा लगता है जैसे मैं अनेक महान व्यक्तित्वों के बीच बैठा हूँ। वहाँ का सन्नाटा भी ज्ञान से भरा होता है। यह पुस्तकालय न केवल मेरे ज्ञान का स्रोत है, बल्कि आत्मिक शांति का माध्यम भी है।

1. लेखक को 'गीता' पढ़कर क्या अनुभव हुआ?

उत्तर - .....

.....

2. लेखक को पुस्तकों के बीच बैठकर कैसा अनुभव होता है?

उत्तर - .....

.....

3. लेखक के अनुसार पुस्तकालय उसे क्या प्रदान करता है?

उत्तर - .....

.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): लेखक का पुस्तकालय आत्मिक शांति का माध्यम है।
   तर्क (R): पुस्तकालय में टीवी और मोबाइल का शोर होता है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): लेखक पुस्तकालय को ज्ञान का स्रोत मानता है।
   तर्क (R): लेखक हर दिन केवल समाचार पत्र पढ़ता है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. लेखक ने 'गीता' पढ़ने के बाद क्या अनुभव किया?
   (a) ऊब (b) मनोरंजन (c) गंभीर दृष्टिकोण (d) थकावट
7. लेखक का पुस्तकालय उसे कैसा अनुभव कराता है?
   (a) शोरगुल से भरा (b) एकांत में मनोरंजन
   (c) आत्मिक शांति और ज्ञान (d) केवल समय व्यतीत करने का स्थान
8. लेखक पुस्तकों के साथ कैसा अनुभव करता है?
   (a) अकेलापन (b) थकावट (c) महान व्यक्तित्वों का संग (d) ऊब
9. लेखक के अनुसार पुस्तकालय में क्या होता है?
   (a) मोबाइल की घंटियाँ (b) संगीत (c) ज्ञान भरा सन्नाटा (d) भीड़
10. लेखक का पुस्तकालय मुख्यतः किसका स्रोत है?
    (a) व्यापार (b) मनोरंजन (c) ज्ञान और शांति (d) शोरगुल

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. लेखक को पुस्तकालय में बैठकर क्या महसूस होता है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. लेखक के अनुसार पुस्तकें हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

13. लेखक ने पुस्तकालय बनाने की प्रेरणा कहाँ से प्राप्त की?

उत्तर - .....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

14. लेखक किस प्रकार पुस्तकालय को आत्मिक शांति और ज्ञान का स्रोत मानता है? अपने शब्दों में समझाइए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'निजी पुस्तकालय की उपयोगिता' पर एक निबंध लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी

1. जीवन के प्रति दृष्टिकोण गंभीर हो गया।
2. जैसे वह महान व्यक्तित्वों के बीच बैठा हो।
3. ज्ञान और आत्मिक शांति।
4. विकल्प (b) सही है।
5. विकल्प (b) सही है।
6. (c) गंभीर दृष्टिकोण
7. (c) आत्मिक शांति और ज्ञान
8. (c) महान व्यक्तित्वों का संग
9. (c) ज्ञान भरा सन्नाटा
10. (c) ज्ञान और शांति

11. लेखक को पुस्तकालय में बैठकर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। वहाँ बैठकर वह पुस्तकों की दुनिया में खो जाता है और उसे ज्ञान प्राप्ति की संतोषजनक अनुभूति होती है।

12. लेखक के अनुसार पुस्तकें हमारे जीवन में नई सोच, गहरी समझ और मानसिक विकास लाती हैं। वे हमारे चरित्र निर्माण में सहायक होती हैं तथा हमें समाज और जीवन को सही दृष्टि से देखने की प्रेरणा देती हैं।

13. लेखक को पुस्तकालय बनाने की प्रेरणा अपने छात्र जीवन के अनुभवों और उन पुस्तकालयों से मिली जहाँ उसने अध्ययन किया। उसने महसूस किया कि पुस्तकों और पुस्तकालय का एक विद्यार्थी के जीवन में बहुत महत्व होता है।

14. लेखक पुस्तकालय को केवल अध्ययन का स्थान नहीं मानता, बल्कि वह उसे आत्मिक शांति और गहरे ज्ञान का स्रोत समझता है। उसके अनुसार जब व्यक्ति पुस्तकालय में शांत वातावरण में बैठकर अध्ययन करता है तो न केवल उसका बौद्धिक विकास होता है, बल्कि उसे भीतर से सुकून और संतोष की अनुभूति होती है। यह स्थान व्यक्ति को तनावों से दूर कर मानसिक रूप से परिपक्व बनाता है।

15. निजी पुस्तकालय की उपयोगिता

भूमिका

पुस्तकें मानव सभ्यता की सबसे मूल्यवान धरोहरों में से एक हैं। ये ज्ञान, अनुभव, और सोच को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाती हैं। जब हम इन पुस्तकों को एकत्र करके उन्हें व्यवस्थित रूप से अपने पास रखते हैं, तो वह संग्रह 'निजी पुस्तकालय' कहलाता है। आज के युग में जहाँ डिजिटल माध्यमों का बोलबाला है, वहाँ भी एक निजी पुस्तकालय का अपना अलग महत्त्व है।

निजी पुस्तकालय का अर्थ

निजी पुस्तकालय का अर्थ है – व्यक्ति द्वारा स्वयं की रुचि, अध्ययन या उपयोग हेतु पुस्तकों का एक व्यवस्थित संग्रह। यह संग्रह किसी कमरे, अलमारी, या एक कोने में व्यवस्थित रूप से रखा जा सकता है। इसमें साहित्य, विज्ञान, इतिहास, जीवनी, धार्मिक, प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद आदि अनेक विषयों की पुस्तकें होती हैं।

निजी पुस्तकालय की उपयोगिता

1. **ज्ञान का भंडार** – निजी पुस्तकालय से हमें समय-समय पर जानकारी और ज्ञान प्राप्त होता है। यह हमारे बौद्धिक विकास में सहायक होता है।
2. **अध्ययन में सहायक** – विद्यार्थियों के लिए यह बहुत उपयोगी होता है। वे अपनी जरूरत और रुचि के अनुसार किसी भी समय अध्ययन कर सकते हैं।
3. **समय का सदुपयोग** – जब हम पुस्तकों में समय लगाते हैं, तो यह समय सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में बीतता है।

4. **विचारों का विस्तार** – विभिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़कर हमारी सोच का दायरा बढ़ता है, और हम समाज व जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने लगते हैं।
5. **आत्मिक शांति का स्रोत** – शांति से बैठकर पुस्तकें पढ़ना एक तरह का मानसिक विश्राम देता है। यह तनाव को भी कम करता है।

निजी पुस्तकालय और आत्मनिर्भरता

जब व्यक्ति स्वयं के लिए पुस्तकें एकत्र करता है, तो उसे बार-बार पुस्तकालय या दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम है।

निष्कर्ष

निजी पुस्तकालय न केवल ज्ञान का केंद्र होता है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। वर्तमान युग में जहाँ समय और संसाधनों की कमी है, ऐसे में एक निजी पुस्तकालय हमारे जीवन को सुसंस्कृत, संयमित और समृद्ध बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रुचियों और आवश्यकताओं के अनुरूप एक छोटा-सा निजी पुस्तकालय अवश्य बनाना चाहिए।

egyanarchive